

ಬಿಸಿನೀರು ಮುದ್ದಪ್ಪ ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ - ಚಳ್ಳಕೆರೆ

ಸಮಯ : 3:00 ಗಂಟೆ

ವಿಷಯ : ಹಿಂದಿ

ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ : 61H

ಅಂಕ : 80

I. ನಿम्ನಲಿಖಿತ ಕಥನಗಳಿಗೆ ಒಂದು-ಒಂದು ವಿಕಲ್ಪ ದೀಗಲೇ, ಜಿಢಮೇ ಂಕಮಾತ್ರ ವಿಕಲ್ಪ ಸಹೀ ಹೇ | ಸಹೀ ವಿಕಲ್ಪ ಒುನಕರ ಲಿಖೀಗಲೇ : 8x1=8

1. 'ದೇವಾಲಯ' ಶಬ್ದ ಮೇ ಸಂಧಿ ಹೇ -
 ಂ) ವೃದ್ಧಿ ಬೀ) ದೀರ್ಘ ಸೀ) ಗುಣ ಡೀ) ಯಣ
2. 'ಟೋಲೀ' ಶಬ್ದ ಕಾ ಅಢ್ಯವಒನ ಹೇ -
 ಂ) ಟೇಲಿಯಾ ಬೀ) ಟೇಲಿಯಾಂ ಸೀ) ಟೋಲಿಯಾ ಡೀ) ಟೋಲಿಯಾಂ
3. ಇಢಮೇ ಪ್ರಥಮ ಪ್ರೇರಣಾತ್ಮಕ ಕ್ರಿಯಾ ರೂಪ ಹೇ -
 ಂ) ಕರ ಬೀ) ಕರಢಾ ಸೀ) ಕರಾಢಾ ಡೀ) ಕರವಾಢಾ
4. 'ಹಾರ' ಶಬ್ದ ಕಾ ವಲೋಮ ಶಬ್ದ ಹೇ -
 ಂ) ಹಾರಾ ಬೀ) ಜೀತ ಸೀ) ಹಾರೆ ಡೀ) ಹಾರ
5. ನಿಢ್ಢ ಮೇ ಸೇ ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗ ಶಬ್ದ ಹೇ :
 ಂ) ಭಾಝೆ ಬೀ) ಢೂಕರ ಸೀ) ಬೇಟಾ ಡೀ) ಬಾಲಿಕಾ
6. ಇಢಮೇ ದ್ವಂದ್ವ ಸಮಾಸ ಕಾ ಁದಾಹರಣ ಹೇ -
 ಂ) ತ್ರಿದೇವ ಬೀ) ರಾಜವಂಶ ಸೀ) ಢೀಲಕಮಲ ಡೀ) ಮಾತಾ -ಪಿತಾ
7. 'ಅಭೀ ಬಾಜಾರ --- ಭುಢಾ ಲಾತಾ ಹುಂ'. ರಿಕ್ತ ಸ್ಥಾಢ ಮೇ ಁಒಿತ ಕಾರಕ ಹೂಗಾ -
 ಂ) ಸೇ ಬೀ) ಕೂ ಸೀ) ಢೇ ಡೀ) ಪರ
8. ಗಿಲ್ಲೂ ಕೇ ಜೀವಢ ಕಾ ಪ್ರಥಮ ವಸಂತ ಆಯಾ | ಇಸ ವಾಕ್ಯ ಮೇ ಪ್ರಯುಕ್ತ ವಿರಾಢ ಒಿಹ್ಢ ಹೇ -
 ಂ) ಪ್ರಶ್ಢವಾಒಕ ಬೀ) ಪೂರ್ಣ ವಿರಾಢ ಸೀ) ವಿಢ್ಢಯಬೂಧಕ ಡೀ) ಅಲ್ಪ ವಿರಾಢ

II. ಪ್ರಥಮ ಁೂ ಶಬ್ದೂ ಕೇ ಸೂಒಿತ ಸಂಬಂಥೂ ಕೇ ಅಢುರೂಪ ತೀಸರೇ ಶಬ್ದ ಕಾ ಸಂಬಂಧಿತ ಶಬ್ದ ಲಿಖೀಗಲೇ : 1x4=4

9. ಕಂಪ್ಯೂಟರ : ಗಣಕಯತ್ರ :: ಇಂಟರಢೇಟ : _____
10. ಗಿಲ್ಲೂ : ರೇಖಾ ಒಿತ್ರ :: ಮೇರಾ ಬಒಪಢ : _____
11. ಕರ್ಢಾಟಕ : ಒಂದಢ ಕಾ ಆಗಾರ :: ಬೆಂಗಲೂ : _____
12. ಬಲಭದ್ರ : ಬಲರಾಢ :: ಕಾಢ್ಢ : _____

III. ನಿಢ್ಢಲಿಖಿತ ಪ್ರಶ್ಢೂ ಕೇ ಁತ್ತರ ಂಕ-ಂಕ ವಾಕ್ಯೂ ಮೇ ಲಿಖೀಗಲೇ | 1x4=4

13. ಲೇಖಕ ಢೇ ಧೂಪ ಕಾ ಒಶಢಾ ಕಹಾಂ ರೇಖಾ ಠಾ ?
14. ಅಬ್ದುಲ ಕಲಾಢ ಜೀ ಬಒಪಢ ಮೇ ಕಿಸ ಘರ ಮೇ ರಹತೇ ಠೇ ?

15. मुख किसका पालन-पोषण करता है?
16. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?

IV. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए :

8x2=16

17. आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थीं ?
18. लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?
19. दूकानदार ने लेखक से क्या कहा ?
20. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?
21. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?
22. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज है?
23. शनिग्रह को शनैश्चर क्यों कहते हैं ?

अथवा

शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

24. झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है?

अथवा

सलमा ने मीना मेडम से क्या कहा ?

V. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :

9x3=27

25. बसंत स्वाभिमानी और ईमानदार लडका था। कैसे ?
26. इंटरनेट एक वरदान भी है और अभिषाप भी। कैसे ? समझाइए।
27. सेब की हालत के बारे में लिखिए।
28. महिला की साहस गाथा इसे पाठ से क्या संदेश मिलता है ?
29. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।
30. भारत माँ के प्रकृति – सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
31. “प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन”- इस पंक्ति का आशय समझाइए।
32. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।
मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।
33. गद्यांश का अनुवाद कनाड या अंग्रेजी में कीजिए।
संसार में जितने महान व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिया है। सत्य का पालन किया है। राजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है।

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :

2x4=8

34. गिल्ड के कार्य- कलाप के बारे में लिखिए।

अथवा

गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।

35. असफलता -----

-----भागो तुम ।

VII. 36. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4x1=4

पर्यावरण प्रदूषण के कई कारण हैं। इसका प्रमुख कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है। वृक्ष हमारे लिए प्राणवायु का संप्रसारण करते हैं। आजकल मनुष्य अपनी स्वार्थ की पूर्ति के लिए वृक्षों को अंधा-धुंध काट रहा है। इस कारण ,पर्यावरण में प्राणवायु (आक्सीजन) कम होता जा रहा है। कारखानों से, वाहनों से निकलनेवाले धुँए से हवा प्रदूषित हो रही है। इस कारण से साँस से संबन्धित रोग आ रहे हैं।

- क) पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारण क्या है ?
- ख) वृक्ष क्या संप्रसारण करते हैं ?
- ग) पर्यावरण में क्या कम होता जा रहा है ?
- घ) प्रदूषित हवा से किससे संबंधित रोग आ रहे हैं ?

VIII. 37. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए । 1x4=4

क) बेरोजगारी

- * प्रस्तावना
- * बेरोजगारी का समस्या
- * परिहारोपाय
- * उपसंहार

ख) नागरिक के कर्तव्य

- * प्रस्तावना
- * महत्व
- * छात्रों का पात्र
- * उपसंहार

ग) ' इंटरनेट ' -

- * अर्थ
- * लाभ
- * हानि
- * उपसंहार

IX. 38. कोई कारण बताकर , तीन दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए । 1x5=5

अथवा

प्रवास जाने के लिए 1000/- रुपए माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पर एक पत्र लिखिए :

Just For Imagination प्रश्न -पत्र 2021

कक्षा :10 वी					नीला नक्षा- BLUE PRINT										अंक : 80							
विषय-- वस्तु	स्मरण रखना				समझना				अभिव्यक्ति				रसग्रहण				कुल प्रश्न	कुल अंक				
	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल. उ.	दी.उ.	व.नि	अ.ल	ल.उ.	दी.उ.						
	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	1 अंक			1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक
गद्य भाग																						
कश्मीरीसेब			[1]2																		2	5
गिल्लू																					1	4
मेरा बचपन		[1]1	[1]2		[1] *																3	4
बसंत की सच्चाई							[1]2						[1]3								2	5
इंटरनेट क्रांति							[1] *						[1]3								2	4
ईमानदारों के सम्मेलन मे			[1]2			[1]1															2	3
महिला की साहस गाथा													[1]3								1	3
कर्नाटक संपदा						[1] *							[1]3								2	4
पद्य भाग																						
मातृभूमि													[1]3								1	3
अभिनव मनुष्य													[1]3								1	3
तुलसी के दोहे						[1]1											[1]3				2	4
समय की पहचान						[1]1	[1]2														2	3
सूर श्याम						[1]1*	[1]2														2	3
कोशिश क. की ह. नहीं हो.				[1]4																	1	4
पूरक वाचन																						
शनि : सबसे सुंदर ग्रह							[1]2														1	2
सत्य की महिमा																						
नागरिक के कर्तव्य							[1]2														1	2
व्याकरण	[5]5					[3]3															8	8
रचना भाग अनुवाद								[1]3													1	3
आपतित गद्यांश									[1]4												1	4
पत्र लेखन															[1]5						1	5
निबंध रचना													[1]4								1	4
कुल योग			[10]16				[17]27						[10]34					[1]3			38	80

MODEL PAPER -2 Key Answer

I. ನಿम्ನಲಿಖಿತ ಕಥನಗಳಿಗೆ ಒಂದು-ಒಂದು ವಿಕಲ್ಪ ನೀಡಿ, ಜಿನ್ಮೆಂ ಂಕಮಾತ್ರ ವಿಕಲ್ಪ ಸಹೀ ಹೀ | ಸಹೀ
ವಿಕಲ್ಪ ಒನಕರ ಲಿಖೀಃ 8x1=8

- | | |
|--|-----------------|
| 1. 'ದೀವಾಲಯ' ಶಬ್ದ ಢೆ ಸಂಧಿ ಹೀ - | ಬೀ) ದೀರ್ಘ |
| 2. 'ಟೋಲೀ' ಶಬ್ದ ಕಾ ಅನ್ಯವಒನ ಹೀ - | ಡಿ) ಟೋಲೀಯಾ |
| 3. ಇನ್ಮೆಂ ಪ್ರಥಮ ಪ್ರೇರಣಾತ್ಮಕ ಕ್ರೀಯಾ ರೂಪ ಹೀ - | ಸೀ) ಕರಾನಾ |
| 4. 'ಹಾರ' ಶಬ್ದ ಕಾ ವೀಲೂಮ ಶಬ್ದ ಹೀ - | ಬೀ) ಜೀತ |
| 5. ನಿಮ್ನ ಢೆ ಸೆ ಸ್ತ್ರೀಲಿಂಗ ಶಬ್ದ ಹೀ :- | ಡಿ) ಬಾಲಿಕಾ |
| 6. ಇನ್ಮೆಂ ದ್ವಂದ್ವ ಸಮಾಸ ಕಾ ಁದಾಹರಣ ಹೀ - | ಡಿ) ಮಾತಾ -ಪಿತಾ |
| 7. 'ಅಭೀ ಬಾಜಾರ _____ ಭುನಾ ಲಾತಾ ಹುಂ' ರಿಕ್ತ ಸ್ಥಾನ ಢೆಂ ಁಚಿತ ಕಾರಕ ಹೂಗಾ - | ಁ) ಸೆ |
| 8. ಗಿಲ್ಲೂ ಕೆ ಜೀವನ್ ಕಾ ಪ್ರಥಮ ವಸಂತ್ ಆಯಾ ಇಸ ವಾಕ್ಯ ಢೆಂ ಪ್ರಯುಕ್ತ ವೀರಾಢ ಒಿಹ್ನ ಹೀ - | ಬೀ) ಪೂರ್ಣ ವೀರಾಢ |

II. ಪ್ರಥಮ ದೂ ಶಬ್ದೂ ಕೆ ಸೂಚಿತ ಸಂಬಂಧೂ ಕೆ ಅನ್ಁರೂಪ ತೀಸರೆ ಶಬ್ದ ಕಾ ಸಂಬಂಧಿತ ಶಬ್ದ ಲಿಖೀಃ 1x4=4

9. ಕಂಪ್ಯೂಟರ್ : ಗಣಕಯಂತ್ರ :: ಇಂಟರ್ನೆಟ್ : ಅಂತರಜಾಲ
10. ಗಿಲ್ಲೂ : ರೆಖಾ ಒಿತ್ರ :: ಢೆರಾ ಬಒಪನ್ : ಆತ್ಮಕಥಾ
11. ಕರ್ನಾಟಕ : ಒಂದನ್ ಕಾ ಆಗಾರ :: ಬೆಂಗಲೂ : ಸಿಲಿಕಾನ್ ಸಿಟೀ
12. ಬಲಭದ್ರ : ಬಲರಾಢ :: ಕಾನ್ಹ : ಕೃಷ್ಣ

III. ನಿಮ್ನಲಿಖಿತ ಪ್ರಶ್ನೂ ಕೆ ಁತ್ತರ ಂಕ-ಂಕ ವಾಕ್ಯೂ ಢೆ ಲಿಖೀಃ 1x4=4

13. ಲೆಖಕ ಢೆ ಧೂಪ ಕಾ ಒಶಢಾ ಟೆಬೂಲ ಪರ ರಖಾ ಥಾ |
14. ಅಬ್ದೂಲ ಕಲಾಢ ಜೀ ಬಒಪನ್ ಢೆಂ ಪುಶ್ತೆನೀ ಒರ ಢೆಂ ರಹತೆ ಥೆ |
15. ಢುಖ ಶರೀರ ಕೆ ಸಾರೆ ಅಂಗೂ ಕಾ ಪಾಲನ್-ಪೂಷಣ ಕರತಾ ಹೀ |
16. ಬಹಾನೆ ಬನಾನೆ ಕಾ ಪ್ರಢುಖ ಕಾರಣ ಆಲಸ ಗುಣ ಹೀ |

IV. ನಿಮ್ನ ಲಿಖಿತ ಪ್ರಶ್ನೂ ಕೆ ಁತ್ತರ ದೂ-ತೀನ್ ವಾಕ್ಯೂ ಢೆಂ ಲಿಖೀಃ 8x2=16

17. ಁತ್ತರ : * ಆಶೀಯಢಢಾ ಜೀ ಅಬ್ದೂಲ ಕಲಾಢ ಕೆ ಸಾಢನೆ ಕೆಲೆ ಕಾ ಪತ್ತಾ ಬಿಒಾರ್ತೀ |
* ಕೆಲೆ ಕೆ ಪತೆ ಪರ ಒಾವಲ ಂವ್ ಸುಗಂಧಿತ, ಸ್ವಾದಿಷ್ಟ ಸಾಂಬಾರ ಁಾಲತೀ |
* ಸಾಥ ಢೆಂ ಒರ ಕಾ ಬನಾ ಅಒಾರ ಂರ ನಾರೀಯಲ ಕೀ ತಾಜ್ಜೀ ಒಟನೀ ಭೀ ದೆತೀ ಥೀ |

18. ಁತ್ತರ : ಲೆಖಕ ಕೂ ಭೆಜೆ ಗೆಯೆ ನಿಢಂತ್ರಣ ಪತ್ರ ಢೆಂ “ ಹಢ ಲೂಗ ಇಸ ಶಹರ ಢೆಂ ಂಕ ಇಢಾನ್ದಾರ ಸಢಢೆಲನ್ ಕರ ರಹೆ ಹೀ | ಆಪ ದೆಶ ಕೆ ಪ್ರಸಿಒ್ದ ಇಢಾನ್ದಾರ ಹೀ | ಹಢಾರೀ ಪ್ರಾರ್ಥನಾ ಹೀ ಕಿ ಆಪ ಇಸ ಸಢಢೆಲನ್ ಕಾ ಁದ್ದಾಟನ್ ಕರೂ | ಹಢ ಆಪಕೂ ಆನೀ-ಜಾನೀ ಕಾ ಪಹಲೆ ದರ್ಜೆ ಕಾ

किराया देंगे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे। आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी।

19. उत्तर : दूकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी, बड़े मजेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।

20. उत्तर : मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति तभी संभव है जब कि सुसमय पर जो भी कार्य करना है उसे उसी समय मन लगाकर करना है। समय को नष्ट नहीं करना है।

21. उत्तर : * समय भगवान का दिया हुआ अनुपम धन है।

* आलस को छोड़कर, बिना किसी बहाने काम करना है।

* एक क्षण भी नष्ट नहीं करना है।

* तभी समय का सदुपयोग होगा।

22. उत्तर: कृष्ण अपनी माता के प्रति इसलिए नाराज है कि, उनके प्रकार यशोधा हमेशा उन्हे ही मारती है और बलराम पर कभी भी गुस्सा नहीं करती है। इसलिए नाराज है।

23. उत्तर : शनि ग्रह धीमी गति से चलने से इस ग्रह को शनैश्चर कहते हैं।

अथवा

उत्तर : शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

24. उत्तर : झूठ का सहारा लेते हैं तो मुँह काला करना पड़ता है और अपमानित होना पड़ता है।

अथवा

उत्तर :सलमा ने मीना मेडम से कहा कि, प्रकृति हमारी माता है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए। अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है।

V. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए :

9x3=27

25. उत्तर : * बसंत एक ईमानदार और स्वाभिमान लड़का था।

* बसंत पं. राजकिशोर से मुफ्त में पैसे को इनकार करता है।

* मुफ्त में पैसा लेना भीख के समान मानता है।

* बसंत ईमानदार लड़का था। क्योंकि वह मोटर की दुर्घटना में गायल होने पर भी भुने के पैसे को अपने भाई प्रताप से वापस भेजता है। ऐसा था बसंत का ईमानदार गुण।

26. उत्तर : इंटरनेट द्वारा घर बैठे-बैठे खरीदारी कर सकते हैं। कोई भी बिल भर सकते हैं। इससे दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है। इंटरनेट –बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है। इंटरनेट एक ओर वरदान है तो दूसरी ओर वह अभिशाप भी है। इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग (सूचना/खबरों की चोरी) आदि बढ़ रही हैं। मुक्त वेब साइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँसे हुए हैं।

27. उत्तर : * पहला सेब एक रुपय जितना छिलका गला हुआ था ।

* दूसरा सेब आधा सड़ा था ।

* तीसरा सेब सड़ा नहीं था पर एक तरफ से दबकर पिचक गया था ।

* चौथा सेब के भीतर दब्बे पड़े थे जैसे बेरों में होते हैं ।

28. उत्तर : महिला की साहसगाथा पाठ द्वारा छात्र यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं हैं । बिछेंद्री पाल इस विचार का एक निदर्शन हैं । ऐसी साहसी महिलाओं से प्रेरणा पाकर छात्र साहसी भाव अपना सकते हैं ।

29. उत्तर : प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुंदर और समृद्ध बनाया है । कर्नाटक की प्रकृतिक सुषमा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं । इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्रि कहलाता है । दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं ।

30. उत्तर : * भारत हरे-भरे खेतों से भरा हुआ है।

* यहाँ के वन-उपवन फल-फूलों से युत हैं।

* भारत माँ के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

* माँ मुक्त हस्त से सबको सुख-संपत्ति और धन-धाम बाँट रही है।

31. उत्तर : कवि दिनकर कहते हैं –आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है । मानव को व्योम से पाताल तक सब कुछ ज्ञात है । परंतु स्वयं को नहीं पहचाना , अपने भाईचारे को नहीं समझा । मानव की सही पहचान वह है जो मानव –मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधता है , जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाता है , वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा । जो मनुष्य वृद्धि को चैतन्य हृदय से जीतता है । आपसी भाईचारे , पारस्परिक प्रेम , सहमनुष्य के साथ स्नेह रहना ही मानव का सही परिचय है ।

32. उत्तर : प्रस्तुत दोहे में श्री तुलसीदास जी मुख अर्थात् मुँह और मुखिया दोनों के स्वभाव की समानता दर्शाते हुए लिखते हैं कि मुखिया को मुँह के समान होना चाहिए। मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता-पीता है उससे शरीर के सारे अंगों का पालन-पोषण करता है। तुलसीदास जी की राय में मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होना चाहिए कि वह काम अपनी तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बाँटे।

33. गद्यांश का अनुवाद कनाड या अंग्रेजी में कीजिए ।

dUMIEP è JµÄO dEA aÄ° AEi aÄUWzÄlgÉÄ C aÄlgÉgÄ ,MzÄ D ,gÄiÄEÄB ¥ÄqÉc zÄlgÉ ,MÄEÄB
¥Ä° 1 zÄlgÉ gÄd °J ±ÄzÄgÄ ,MÄpÉ « ±Ä ¥Ä zÄ ÄVzÉ

VI. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :

2x4=8

34. उत्तर : * गिल्लू के कार्य – कलाप को देखकर सभी को आश्चर्य होता था ।
* वह लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए अलग – अलग तरीखे अपनाता था ।
* लेखिका की थाली के पास बैठकर एक- एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था ।
* खिड़की की जाली से लिखिका के बाहर जाली के बाहर जाने बाद वह भी बाहर जाता ।
* ठीक चार बजे अपने झूले पर आ जाता था ।

अथवा

- उत्तर : * गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती है ।
* गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने न कुछ खाया, न बाहर गया।
* पंजे ठंडे हो गये,लेखिका ने जागकर हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।
* परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया ।

35. असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो ,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो नींद चैन को त्यागो तुम ,
संघर्ष का मैदान को छोड़कर मत भागो तुम ॥

VII. 36. निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

4x1=4

- क) पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारण बढ़ती हुई जनसंख्या है ।
ख) वृक्ष प्राणवायु का संप्रसारण करते हैं ।
ग) पर्यावरण में प्राणवायु (आक्सीजन) का कम होता जा रहा है ।
घ) प्रदूषित हवा से साँस से संबंधित रोग आ रहे हैं ।

VIII. 37. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए ।

1x4=4

क) बेरोजगारी

प्रस्तावना : क्या आपने कभी उस नवयुवक के चेहरे को देखा है, जो विश्वविद्यालय से अच्छी डिग्री लेकर बाहर आया है और रोजगार की तलाश में भटक रहा है? क्या आपने कभी उस युवक की आँखों में झँककर देखा है, जो बेकारी की आग में अपनी शिक्षा-दीक्षा को जलाकर राख कर देने के लिए विवश है? क्या कभी आपने उस नौजवान की पीड़ा का अनुभव किया है, जो दिन में रोजगार-दफ्तरों में चक्कर लगाता है और रात में देर तक अखबारी विज्ञापनों में अपनी नौकरी की खोज करता है? घर में जिसे निकम्मा कहा जाता है और समाज में आवारा; किंतु अपनी मौन-व्यथा सुनाता है।

बेरोजगारी का समस्या : बेकारी: एक प्रमुख समस्या- भारत की आर्थिक समस्याओं में बेरोजगारी एक प्रमुख समस्या है। वस्तुतः यह एक ऐसी बुराई है, जिसके कारण उत्पादक मानव-शक्ति ही नहीं नष्ट होती, वरन देश का भावी आर्थिक विकास भी अवरुद्ध होता है। जो श्रमिक अपने कार्य के द्वारा देश के आर्थिक विकास में सक्रिय सहयोग दे सकते थे, वे कार्य के अभाव में बेकार रह जाते हैं। यह स्थिति हमारे आर्थिक विकास में बाधक है।

परिहारोपाय : निम्नलिखित उपाय बेकारी को दूर करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं-

जनसंख्या-वृद्धि पर नियंत्रण- जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि बेकारी का मूल कारण है। अतः इस पर नियंत्रण आवश्यक है। जनता को परिवार-नियोजन का महत्व समझाते हुए उसमें व्यापक चेतना जाग्रत करनी चाहिए।

शिक्षा-प्रणाली में व्यापक परिवर्तन- शिक्षा को व्यवसायोन्मुख बनाया जाना चाहिए। शिक्षा में शारीरिक श्रम को उचित महत्व दिया जाना चाहिए। कुटीर उद्योगों का विकास- कुटीर उद्योगों के विकास की ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

औद्योगीकरण- देश में व्यापक स्तर पर औद्योगीकरण किया जाना चाहिए। विशाल उद्योगों की अपेक्षा लघुस्तरीय उद्योगों को अधिक महत्व दिया जाए।

उपसंहार: हमारी सरकार बेकारी के प्रति जागरूक है और इस दिशा में उसने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। परिवार-नियोजन, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, कच्चा माल एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की सुविधा, कृषि-भूमि की हदबंदी, नए-नए उद्योगों की स्थापना, अग्रैटिस योजना, प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना आदि अनेकानेक कार्य ऐसे हैं, जो बेरोजगारी को दूर करने में एक सीमा तक सहायक सिद्ध हुए हैं। इनको और अधिक विस्तृत तथा अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इस संबंध में वर्तमान सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं है और न ही वह इस ओर ध्यान देने की स्थिति में है। अतः आनेवाले वर्षों में बेरोजगारों का प्रतिशत अधिक बढ़ जाए इस बात को मकारा नहीं जा सकता। अतः बेरोजगारी दूर करने का एकमात्र उपाय है-सामाजिक जागरण, जिससे बेरोजगारी को सरोजगार की ओर प्रेरित किया जा सके।

ख) नागरिक के कर्तव्य

प्रस्तावना : “राष्ट्र का निर्माण चट्टानों तथा वृक्षों से नहीं वरन उसके नागरिकों के चरित्र से होता है।”-यह कथन पूर्णतः सत्य है। अनुशासित नागरिक ही देश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करते हैं। “नागरिक” शब्द राष्ट्र के सदस्यत्व का संकेत है। राज्य के उगम के साथ नागरिक शब्द भी उदित हुआ। नागरिक का अर्थ है “राष्ट्र की प्रजा।”

महत्व : एक आदर्श नागरिक का जीवन अनुकरणीय होता है। उसका ऊँचा आदर्श और आचरण होता है। वह अधिकारों से अधिक अपने कर्तव्यों का ध्यान रखता है, उन्हें प्राथमिकता देता है। उसके लिए राष्ट्र पहले है और अन्य कुछ उसके बाद। वह पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय दायित्वों को बड़ी जिम्मेदारी से निभाता है। वह अपने देश के नियम, कानूनों का कड़ाई से पालन करता है, और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। न वह निकम्मा और निठल्ला होता है और न कामचोर। वह निरंतर परिश्रम करके देश, समाज व अपने परिवार की समृद्धि में सहयोग देता है। वह कभी कर्षों की चोरी नहीं करता है। वह देश के कानूनों को भलीभाँति जानता है और उनका पालन करता है। एक आदर्श नागरिक को अपने देश, समाज, संस्कृति व इतिहास पर गौरव होता है। वह राष्ट्रभक्त होता है तथा सदा अनुशासन, शांति व व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग करता है।

* छात्रों का पात्र :

- * संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।
- * स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में समाए रखें और उनका पालन करें।
- * भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें।
- * देश की रक्षा करें और आवाहन किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करें।
- * भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हों। ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है।
- * हमारी सामाजिक संस्कृति की, गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें।
- * प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखें।

* वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें।

* सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहें।

उपसंहार: राष्ट्र से हम अनेक लाभों को पाना चाहते हैं। उसी प्रकार राष्ट्र के लिए कुछ करना हम सभी नागरिकों का कर्तव्य होता है। सरकार के उद्देश्य और मंजिल में यश पाना है तो नागरिकों को सहयोग देना बहुत जरूरी है।

ग. इंटरनेट

प्रस्तावना: आज हम चाहे तो पैसे के बिना जी सकते हैं लेकिन इंटरनेट के बिना जीना मुश्किल बन गया है। क्योंकि दुनिया के सभी कामकाज इंटरनेट पर ही निर्भर है। इस के बिना देश एवं व्यक्तिगत प्रगति असंभव है।

अर्थ: अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल को ही इंटरनेट कहा जाता है।

लाभ : इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

* इस के द्वारा घर बैठे-बैठे खरिदारी कर सकते हैं।

* पत्र, चित्र, विडियो, पुस्तक, पैसे आदि को पल भर में दुनिया के किसी भी कोने में भेजा जा सकता है।

* किताबों को पढ़ सकते हैं, बैंकिंग व्यवहार कर सकते हैं।

* वर्चुअल मीटिंग द्वारा वार्तालाप कर सकते हैं।

* इंटरनेट द्वारा ही फेसबुक, आर्कुट, ट्विटर, वाट्सप जैसे सोशल नेटवर्किंग साइट्स काम कर रहीं हैं। आदि

हानियाँ : इंटरनेट की वजह से बहुत कुछ हानियाँ हो रही हैं।

* इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़ रही हैं।

* मुक्त वेब साइट्स से युवा पीढ़ी और बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है।

* और बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है।

* बच्चों समय का दुरुपयोग और अनुपयुक्त, अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।

* लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए

उपसंहार: इंटरनेट ने मानव की जीवनशैली और उसकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। आज इंटरनेट के बिना सभी क्षेत्र टप प ड जाते हैं। इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक छोटा गाँव बना है। इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है। इसका विवेकपूर्ण उपयोग से मानव का कल्याण अवश्य होता है।

IX.38.कोई कारण बताकर , तीन दिन की छुट्टी की मंजूरी के लिए अपने प्रधानाध्यापक को पत्र लिखिए।

1x5=5

दिनांक : : :
स्थान :

प्रेषक ,
वर्षा बी स
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।

सेवा में,
कक्षा अध्यापक,
बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।

मान्य महोदया,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक : : : से दिनांक : : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका विधेय विद्यार्थिनी,
वर्षा बी एस

अथवा

प्रवास जाने के लिए 1000/- रुपए माँगते हुए अपने पिताजी के नाम पर एक पत्र लिखिए :

प्रेषक,
वर्षा बी एस
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दप्प सरकारी हाईस्कूल
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।
दिनांक : : :

पूजनीय पिताजी,

सादर प्रणाम,

मैं यहाँ सकुशल हूँ। मुझे यकीन है कि भगवान की कृपा से वहाँ आप सब लोग सकुशल होंगे। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है। अब पत्र लिखने का कारण है कि, हमारी पाठशाला में मैसूर, श्रीरंगपट्टण, तलकाडु, नंजनगूडु, निमिषांभा देवालय आदि स्थानों को देखने शैक्षिक यात्रा का आयोजन हुआ है। उसमें मेरे सारे मित्र जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इसलिए आप मुझे प्रवास जाने के लिए अनुमति देते हुए, २०००/०० रुपए भेजने की कृपा करें। पूजनीय माताजी को मेरा सादर प्रणाम। भाई तथा बहन को मेरा याद-प्यार।

आपका प्रिय बेटी,
[वर्षा बी एस]
हस्ताक्षर

सेवा में,
सुरेश नायक बी एस
माविनकट्टे
होसदुर्ग ता
चित्रदुर्ग जिला।

Just For Imagination प्रश्न -पत्र 2021